**Rev. Dr . Timothy C. Geoffrion,**
**Ph.D., D.D. Founder**
**Faith ,Hope, and**
**Love Global Ministries**

**Essay by: Rev.Dr  Timothy .C.Geoffrion,**
**Translated to Hindi by: Pastor Arvind Deep**

**Spiritual Truth 5 Remember – nothing can separate you, from the Love of God 44**

*Smoke rising above Inya Lake (Yangon, Myanmar)*

आप सभी को जय मसीह की परमेश्वर की महिमा हो उसने बालाघाट पर अपना सुरक्षा रखा हुआ है, हमे अपने देश के अगुओं के लिये भी धन्यवाद परमेश्वर को देना है , यैसे समय मे इस महामारी मे हमारे बचाव के साधन के लिये अच्छा इंतजाम किया है, अब धीरे धीरे सब कुछ ठीक होता जा रहा है, पर आज भी हमारे मनो मे कई प्रशन उठते है, क्यों इतने लोग विश्व  भर मे इस ससांर मे अपना जीवन बचा नही पाया जबकि हम आज जीवित है क्या आपने

इसे गंभीरता से सोचा क्या? परमेश्वर ने इस महामारी से हमे सिखाया की हम इस पृथ्वी मे परमेश्वर को खुश करने वाला जीवन जीए और वही करे जो उसे भाता है, याद रहे परमेश्वर से जो लोग प्रेम करते है, उनके लिये सारी बातें भलाई को उत्पन्न करता है, आज कितनों ने तो अपना जीवन फिर से समर्पण किया है, जबकि कितने लोग परमेश्वर

आज फिर एक नये संदेश के साथ आपसे बातें करना चाहता हं,
संत पोलस के ये शब्द है, जिसने अपनी पत्रीयों मे लिखा है,
क्योंकि अब मै अरध के समान उडेंला जाता हूं, और मेरे कुच का समय आ पहुँचा है। मै अच्छी कुश्ती लड़ चुका है, मै ने अपनी दौड़ पूरी कर ली है, मै ने विश्वास की रखवाली की है
२ तिमोथी ४:६
परमेश्वर के प्रेम से मझे कछ भी अलग नहीं कर सकता है
रोमियो ८:३५

इया झील (यांगन, म्यांमार) के ऊपर उठता धआं
मैं रात के बीच में सामान्य से अधिक बार जाग रहा हूं। मुझे अभी नींद नहीं आ रही है और पहले भी.यैसा हुआ है, कभी-कभी, यह एक बुरा सपना है। दूसरी बार, मैं उन लोगों को ध्यान में नहीं रख सकता जो युद्ध, भूख या आर्थिक संकट से पीड़ित हैं। पिछले हफ्ते की एक बहुत सुबह, मैं खाली और सूखा महसूस कर नींद से उठा । मैं एक दीवार से टकरा जाता हूं । मैं बहुत देर तक बिस्तर पर पड़ा रहा और मुड़ गया, प्रार्थना करने की कोशिश कर रहा था. सोने के लिए वापस जाने की भी कोशिश कर रहा था. यह तय करने की कोशिश कर रहा था कि क्या बस उठना

अब तक इस निबंध श्रृंखला में, हमने उन लोगों के लिए बाइबल में आशावादी संदेशों पर जोर दिया है जो पीड़ित हैं जो दुख झेल रहे है, जो सताव और आर्थिक तंगी से होकर जा रहे है, या संकट का सामना कर रहे हैं। हमारी इन परिस्थितियों के बावजूद प्रोत्साहित हमे होने के कई कारण हैं। जैसा कि मसीही , उदाहरण के लिए, हम परमेश्वर को सक्रिय रूप से नेतृत्व और मार्गदर्शन करने के लिए, चरित्र और आशा का उत्पादन करने के

लेकिन जब आपका अंधेरा सिर्फ अंधेरा हो तो आप क्या करते हैं? क्या होगा अगर आप अपने दुख से बाहर आने के लिए कुछ अच्छा नहीं देख सकते हैं? क्या होगा यदि आप केवल एक ही उम्मीद करते हैं - अधिक अनिश्चितता, अधिक हानि, अधिक दर्द? या, अधिक समस्या अधिक बेरोजगारी आर्थिक तगीं क्या होगा अगर आपके पास कोशिश करने के लिए कोई और ऊर्जा नहीं है?

*Zion National Park*

आध्यात्मिक सत्य को याद रखें - कुछ भी आपको परमेश्वर के प्रेम से अलग नहीं कर सकता है। (इब्रानियों २:१८, १३:५; रोमियों ८:११-२८, ३८-३९)

"परमेश्वर कहते है, कभी नहीं मैं तुम्हें छोड़ दूँगा, कभी नहीं मैं तुम्हें त्यागूगा," ।

इब्रानी १३:५ एनआईवी

इब्रियों के इन शब्दों की व्याख्या आमतौर पर परमेश्वर की मौजूदगी और प्रावधान के वादे के रूप में की जाती है। और ठीक ही तो है। यही कारण है कि हम कठिन समय में घबराते नहीं हैं। यही कारण है कि हम अपनी

साथ ही, परमेश्वर की बढ़ती उपस्थिति का वादा भी हमें इस जीवन की परेशानियों से परे देखने के लिए याद दिलाने के लिए है। प्रेरित पौलुस ने हमें सिखाया कि सारी सृष्टि कराह रही है, दुनिया के छुटकारे का इंतज़ार कर रही है। इसी तरह, हम भी कराह रहे हैं, जिस दिन हमारे शरीर को पूरी तरह से पीड़ित, क्षय और मृत्यु दर से बचाया

दूसरे शब्दों में, कभी-कभी, हमें उस राहत को पाने के लिए स्वर्ग की प्रतीक्षा करनी चाहिए, जिसके लिए हम तरस रहे हैं। जैसा कि पौलुस ने समझाया, यह विश्वासों मसीही की आशा की सहज परिभाषा है:

इस उम्मीद में हमारा उद्धार हुआ है । । जो हमारे पास पहले से है उसके लिए कौन आशा करता है? लेकिन अगर हम आशा करते हैं कि हमारे पास अभी तक नहीं है, तो हम धैर्य के साथ इंतजार करते हैं।की हमारी आशा साकार होने जा रहा है, हमारी परेशानी और समस्या जो वर्तमान मे है या हम गुजर रहे है, इसका अंत होने जा रहा

रोम। ८:२४-२५

पौलुस के लिए, मसीही विशवास या धर्म का सबसे महत्वपूर्ण उपहार यह नहीं है कि परमेश्वर हमारे सांसारिक जीवन को कितना ठीक कर सकता है या सुधार सकता है। बल्कि, हमारे सबसे क़ीमती कब्जे हमारे सृष्टिकर्ता, स्वर्ग में हमारे पिता के साथ हमारा अनन्त बंधन है, जो हमारे प्रभु और उद्धारकर्ता, यीशु मसीह के माध्यम से आता है। अगर प्रेम का यह बंधन सुरक्षित है, और यह है, तो इस जीवन में हमारे लिए कोई फर्क नहीं पड़ता है, हम . हमारे परमेश्वर के साथ एक अद्भुत, अद्भुत रिश्ता है जो पूरे अनंत काल तक फैला हुआ है जिसे कोई हमसे दूर नहीं ले जा सकता है। परमेश्वर की कृपा से, विश्वास के माध्यम से, हमारे पास एक अनमोल और सुरक्षित आशा है जो हमें सबसे गहरे और परेशानी दिनों तक ले जा सकती है।

"कौन हमें मसीह के प्रेम से अलग करेगा?" संत पौलुस मसीहीयों से पूछता है। "कठिनाई, या संकट, या उत्पीड़न, या अकाल, या नग्नता, या संकट, या तलवार?" (८:३५)। जवाब, निश्चित रूप से, नहीं, कोई भी नहीं। कुछ भी तो नहीं।हमे परमेश्वर के प्रेम से, सेवा से, हमारे विशवास से वर्तमान के समस्या, सताव या महामारी परमेश्वर से अलग

*Sedona, Arizona*

क्योंकि मुझे विश्वास है कि न तो मृत्यु और न ही जीवन, ना ही स्वर्गदूत और ना सताव ना ही तगीं, ना ही वर्तमान और न ही भविष्य, और न ही कोई शक्तियाँ, न ऊँचाई और न ही गहराई, और न ही सारी सृष्टि में कुछ और, जो हमें

रोमियों ८:३८-३९ एनआईवी
प्रार्थना की शक्ति

जैसा कि मैंने उस कठिन सुबह बिस्तर पर लेटा. था, न जाने कब मुझे उठने की प्रेरणा मिलेगी, भजन.६१. और.६२. की प्रार्थनाएँ मेरे दिमाग में आती रहीं। “हे प्रभु, तुम मेरी चट्टान हो...। जब भी मैं इतना खाली या उदास महसूस करता हूं, तो मुझे सबसे ज्यादा मदद मिलती है कि मैं परमेश्वर तक कैसे पहुंचूं। मेरे पास प्रार्थना करने के लिए कोइ शब्द नहीं हो सकते हैं, लेकिन मैं उसे अपने मन और दिल के अंदर कुछ करने के लिए कहता रहता हूं जो मैं अपने

इस तरह के क्षणों में, मैं समाधान, चिकित्सा या यहां तक कि प्रसव के साथ प्रार्थना नहीं कर रहा हूं। मैं बस कुछ आराम की तलाश कर रहा हूं, शायद नए सिरे से ताकत, या बस फिर से कुछ खुशी महसूस करने की क्षमता। और उत्तर आते हैं। अभी आम तौर पर नहीं। मुझे अभी भी आत्मा की छोटी आवाज को सुनने और प्रतिक्रिया करने की आवश्यकता है; और समय पर मदद मिलती है। मैं अपनी बाइबल खोलने, उठने और बाहर टहलने के लिए जाने की सलाह का पालन करता हूं, अच्छे दोस्त तक पहुंचता हूं, किसी ऐसे व्यक्ति से बात करता हूं जो मुझसे प्यार करता है, या मेरा ध्यान किसी ऐसे व्यक्ति की ओर मोड़ता है जिसे मेरे प्यार या मदद की जरूरत है। या, शायद मुझे अपनी उदासी के साथ बस बैठने की आजादी मिले और खुद को खुश करने की कोशिश करने के लिए मजबूर महसूस न करें, क्योंकि मैं अपनी शांति और खुशी को बहाल करने के लिए पवित्र आत्मा की प्रतीक्षा करता हूं।

[5/8, 10:56] Bishop Dr Deep India: जिसको हमने अपने जीवन को छुटकारा के लिए सौंप दिया है, जिसका दुख हम इस नश्वर जीवन में साझा करते हैं, वही वह है जो हमारे परीक्षा ,सताव समस्या, दुख महामारी और उन [illegible]

क्योंकि [यीशु मसीह] को भी इन तमाम परिस्थिति से और परीक्षा से होकर जाना पड़ा था, यीशु स्वयं का परीक्षण किया था कि वह क्या है, वह उन लोगों की मदद करने में सक्षम है जो इन सब से गुजर रहे है
इब्रानी २:१८

और जब हम नहीं जानते कि क्या प्रार्थना करनी है या हम शब्द नहीं खोज पाते है , तो मसीह की आत्मा हमारे और हमारे माध्यम से प्रार्थना करती है। संत पौलुस ने इसे इस तरह वर्णन किया है :
२६ इसी रीति से आत्मा भी हमारी दुर्बलता में सहायता करता है : क्योंकि हम नहीं जानते कि प्रार्थना किस रीति से करना चाहिए, परन्तु आत्मा आप ही ऐसी आहें भर भरकर, जो बयान से बाहर हैं, हमारे लिये विनती करता है;
२७ और मनों का जाँचनेवाला जानता है कि आत्मा की मनसा क्या है? क्योंकि वह पवित्र लोगों के लिये परमेश्वर की इच्छा के अनुसार विनती करता है।
२८ हम जानते हैं कि जो लोग परमेश्वर से प्रेम रखते हैं, उनके लिये सब बातें मिलकर भलाई ही को उत्पन्न करती हैं; अर्थात् उन्हीं के लिये जो उसकी इच्छा के अनुसार बुलाए हुए हैं।
रोमियों ८:२६-२७

आध्यात्मिक परिदृश्य

जब आप बहुत किसी विषय जो जानना जरूरी है पर वह याद नही आ रहा है, महसूस नही हो रहा हैं तो आप क्या करते हैं ,या परिस्थिति से उठने और जाने के लिए ताकत या प्रेरणा के लिए संघर्ष करते हैं? जैसा कि COVID-19 संकट जारी है, आप महामारी के दिनों के माध्यम से मदद पाने या करने के लिए परमेश्वर तक कैसे पहुंच की तैयारी

अपने हृदय को परमेश्वर पर लगाएं । आत्मा में प्रार्थना करो। जैसे ही मसीह आपके साथ और आपके लिए प्रार्थना करता है, आपको एहसास होगा कि आप अकेले नहीं हैं, त्यागे नहीं, आशाहीन नहीं। भले ही आप यह नहीं जानते हों कि क्या कहना या पूछना है, आत्मा आपके आँसू, निर्बलता , और उन अनुरोधों को स्वीकार कर लेगी जो आपके लिए परमेश्वर की इच्छा के अनुकूल हैं। आप हर बार खुशी महसूस नहीं कर सकते हैं, लेकिन आपका मूड बदले जाने की संभावना है। आप फिर से सामना करने में सक्षम होंगे। आपकी शांति लौट आएगी। दूसरों से प्यार करने की आपकी क्षमता फिर से उभर आएगी। और आनंद भी पीछे नहीं रहेगा। [illegible]
आपको क्या लगता है? भजनकार के शब्दों पर मनन कीजिए:
हे परमेश्वर, मेरा चिल्लाना सुन, मेरी प्रार्थना की ओर ध्यान दे। मुरछा खाते समय मै पृथ्वी की छोर से भी तुझे पुकारूंगा, जो मेरे लिये चट्टान है, उस पर मुझको ले चल
सचमुच मैं चुपचाप होकर परमेश्वर की ओर लगाए हूं। मेरा उद्धार उसी से होता है, सचमुच वही मेरी चट्टान है, और मेरा उद्धार है, वह मेरा गढ़ है, मै अधिक न डिगूंगा।
हे मेरे मन, परमेश्वर के सामने चुपचाप रह, क्योंकि मेरी आशा उसी पर है।

भजन सहिंता ६१:१-२
६२:२,५-८
जो भी दर्दनाक अनुभव आप कर रहे हैं वह आपके जीवन का अंतिम शब्द नहीं है। मसीह है। प्रभु का प्रेम और उपस्थिति आपको सभी दुखों से या मृत्यु से अनंत काल तक अपनी प्रेममयी भुजाओं में सुरक्षित रखेगा।

आशा का परमेश्वर आपको सभी खुशी और शांति से भर दे, क्योंकि आप उस पर भरोसा करते हैं, ताकि आप पवित्र आत्मा की शक्ति और आशा के साथ बढ़ते रहें।
रोम १५:१३
समय कितना कठीन क्यों ना हो पर वह परमेश्वर आपको अपने से अलग नही होने देगा
आईये यीशु मसीह जो हमारा आशा का लंगर है, वह हर एक अलग करने वाले ताकत को जो आज आप होकर जा रहे है, वह उस समय तक आपकी रखवाली करेगा, जबतक आप उसमे बने है
परमेश्वर आपको सम्भालें और यैसे समय मे शांति दे।
बिशप अरविंद दीप, आर टी, एफ, बालाघाट